CBSE Test Paper 04
पत्र लेखन

1. आपके पिताजी का तबादला दूसरे शहर में हो गया है। आप अपने मित्र को नए शहर की सुन्दरता का वर्णन करते हुए पत्र लिखिए।
2. अपने पिताजी की आज्ञा बिना अपने कुछ मित्रों के साथ विद्यालय से अनुपस्थित होकर आईपीएल मैच देखा जिसकी सूचना आपके पिताजी को किसी अन्य व्यक्ति से मिली है। अब आप अपने पिताजी से माँफी माँगते हुए एक क्षमा याचना का पत्र लिखिए।
3. नवीं कक्षा में हिन्दी विषय के चयन के कारणों तथा आज के युग में हिन्दी की उपयोगिता बताते हुए विदेश में रहने वाले मित्र को पत्र लिखिए।
4. माता जी की बीमारी की सूचना अपने पिता जी को पत्र द्वारा दीजिए।

CBSE Test Paper 04
पत्र लेखन

Answer

1. P-276, पालम,
   नई दिल्ली-77,
   दिनांक ....।
   प्रिय मित्र गोविन्द
   सप्रेम नमस्ते,
   कल तुम्हारा पत्र मिला। तुम्हें यह जानकर हर्ष होगा कि मेरा मन इस नए शहर में लग गया है। दिल्ली बहुत बड़ा और सुन्दर है। यहाँ लाल किला, जामा मस्जिद, लोटस टेम्पल, इंडिया गेट आदि कई दर्शनीय स्थल हैं। यहाँ की बहुमंजिला गगनचुम्बी इमारतें लोगों का ध्यान आकर्षित कर लेती हैं। यहाँ सड़कें काफ़ी चौड़ी हैं। रात के समय बाज़ारों की सजावट व रोशनी मन मोह लेती है। बाज़ार बहुत बड़े-बड़े हैं। मुग़ल गार्डन में फूलों की इतनी किस्में हैं कि वे लोगों को हैरत में डाल देती है। दिल्ली में मैट्रो की सवारी करके बड़ा मजा आया। यह शहर बड़ा होने के साथ साफ-सुथरा भी है।
   इस नए शहर में तुम्हारी कमी अखरती है। यदि तुम भी साथ होते तो आनन्द दुगना हो जाता। ग्रीष्म अवकाश में तुम दिल्ली अवश्य आना। अंकल व आंटी को नमस्ते।

   तुम्हारा प्रिय मित्र
   मोहित

2. बसंत छात्रावास
   राजकीय उच्चतम माध्यमिक विद्यालय
   प्रीत विहार
   नई दिल्ली।

   परम पूज्य पिताजी,
   सादर प्रणाम।
   आशा है घर में सभी सकुशल होंगे।
   आपके पत्र से पता चला कि आपकी अनुमति के बिना अपने कुछ मित्रों के साथ विद्यालय से अनुपस्थित होकर मेरे आईपीएल मैच देखने से आप नाराज़ हैं।
   मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूँ। लड़कों के कहने में आकर मैं उनके साथ मैच देखने चला गया था। मैंने पढ़ाई को भी गम्भीरता से नहीं लिया। मैं समझ गया कि जब यह सूचना आपको अन्य व्यक्ति से मिली होगी तो आपको कैसा लगा होगा? पिताजी, अब आप कभी मेरी शिकायत नहीं सुनेंगे। मैं नियमित विद्यालय में उपस्थित रहूँगा तथा छात्रावास में रहकर अध्ययन में रुचि लूँगा। ऐसे गलत लड़कों की संगति भी छोड़ दूँगा। मैं पुन: आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अब सही मार्ग

पर चलूँगा। पिछली गलतियों के लिए मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ। घर में माताजी को प्रणाम। छोटों तथा बड़ों को यथोचित अभिवादन।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
गोविन्द सिंह

3. 75/5, लवकुश नगर,
जयपुर (राजस्थान)
दिनांक : 05 मार्च, 2019
प्रिय मित्र साहिल,
तुम्हें यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मैंने नवीं कक्षा में हिन्दी विषय का चयन कर लिया है। आज के युग में हिन्दी की विशेष उपयोगिता है। हिन्दी हमारी राजभाषा है, सभी कार्यालयों तथा संस्थाओं में भी हिन्दी भाषा में कार्य होता है। हमारी राष्ट्रभाषा भी हिन्दी है और उसे ही लोगों ने विदेशी बना दिया है। हमें अपनी हिन्दी भाषा का सम्मान करना चाहिए, तुम विदेश में रहकर अपनी मातृभाषा हिन्दी मत भुला देना, मुझे तो अपनी हिन्दी भाषा व भारतीय संस्कृति पर गर्व है। अपने मम्मी व पापा को मेरा चरण स्पर्श कहिएगा।
तुम्हारा मित्र,
कैलाश

4. परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक : 05 मार्च, 2019
पूज्यनीय पिता जी,
सादर प्रणाम!
आपका पत्र मिला। पढ़कर समाचार ज्ञात हुआ। आपने माता जी का हाल पूछा है। पिता जी, माता जी पिछले हफ्ते से बीमार चल रही हैं। कल दूसरे डॉक्टर को दिखाया, तो उसने खून की कमी बताई। हम लोगों ने डॉक्टर के कहे अनुसार इलाज़ शुरू कर दिया है। आप चिंता न करें। आशा है कि माता जी कुछ ही दिनों में बिलकुल स्वस्थ हो जाएँगी। चाचा जी को मेरी नमस्ते कहिए। भाई को प्यार।
आपका आज्ञाकारी पुत्र,
हर्ष